K–1092

Total Page No. : 3] **[Roll No. .....**

DMA–104

Diploma in Medical Astrology (DMA)
Ist Year Examination Dec., 2023

ग्रहोपचार के विविध आयाम

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×26=52

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पित्त एवं कफजन्य व्याधियों पर ज्योतिषीय योग प्रस्तुत कीजिए।

2. वातजन्य व्याधियों के कारणों पर प्रकाश डालते हुए उनके ज्योतिषीय योगों का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

3. कर्मफल विवेचन पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए।

4. योगों पर आधारित कर्मफल का विचार किस प्रकार किया जाता है ? सुविस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

5. ग्रहशान्ति प्रविधि पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×12=48

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ज्वरों के ज्योतिषीय योगों पर प्रकाश डालिए।

2. त्रिदोषजन्य रोगों के ज्योतिषीय योगों पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

3. कर्म एवं उसके फल की विवेचना अपने शब्दों में विस्तार से कीजिए।

4. गोचर के अनुसार कर्मफल विमर्श पर प्रकाश डालिए।

5. मन्त्रानुष्ठान से रोगोपचार पर लघु आलेख लिखिए।

6. रोगनिवृत्ति में ग्रहशान्तिप्रयोग कितना प्रभावशाली है ? विस्तृत चिन्तन प्रस्तुत कीजिए।

7. दान के माध्यम से रोगोपचार किस प्रकार सम्भव है ? विस्तृत चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

8. दशा पर आधारित कर्मफल की विवेचना प्रस्तुत कीजिए।

****